Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

AP–455

M.A. (Final) Examination, 2021

HINDI

Paper - IV **(ख)**

(प्रेमचंद)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर सीमा **50** शब्द) :

1. (i) प्रेमचंद ने साहित्य के कितने तत्त्व बताए हैं ? समझाइए।

(ii) कर्मभूमि के प्रमुख पात्र का नाम बताते हुए उसकी **दो** चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

(iii) 'रंगभूमि' उपन्यास पर गांधीवादी विचारधारा को संक्षेप में प्रतिपादित कीजिए।

(iv) 'ईदगाह' कहानी का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(v) 'बड़े भाई साहब' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(vi) प्रेमचंद की कहानी 'पूस की रात' किस तरह की कहानी है ? इसके शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(vii) 'कर्बला' नाटक का कथ्य प्रतिपादित कीजिए।

(viii) 'ठाकुर का कुआं' कहानी का वर्ण्य-विषय क्या है ?

(ix) प्रेमचंद के आदर्श रूप को समझाइए।

(x) प्रेमचंद ने 'कला संबंधी विचार' निबंध में कला का क्या प्रयोजन बताया है ?

खण्ड–ब प्रत्येक 8

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द) :

2. साहित्य में विषय का विस्तार होना चाहिए। साहित्य का उद्देश्य हमारी अनुभूतियों की तीव्रता को बढ़ाना है। साहित्य का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं है बल्कि वर्तमान समय में साहित्य का उद्देश्य जीवन की समस्याओं पर विचार करना और उसका समाधान करना भी है।

3. कभी-कभी बुराई से भलाई पैदा हो जाती है। पुत्र सामान्य रीति से पिता का अनुगामी होता है। महाजन का बेटा महाजन, पंडित का पंडित, वकील का वकील, किसान का किसान होता है। मगर यहां इस द्वेष ने महाजन के पुत्र को महाजन का शत्रु बना दिया। जिस बात का पिता ने विरोध किया, वह पुत्र के लिए मान्य हो गई, और जिसको सराहा वह त्याज्य।

4. सूरदास—साहब, वैरागी होने के लिए भभूत लगाने और भीख मांगने की जरूरत नहीं। हमारे महात्माओं ने तो भभूत लगाने और जटा बढ़ाने को पाखंड बताया है। वैराग तो मन से होता है। संसार में रहे, पर संसार का होकर न रहे। इसी को वैराग कहते हैं।

5. अब्बाजान रुपये कमाने गये हैं। बहुत-सी थैलियाँ लेकर आयेंगे। अम्मीजान अल्लाह मियां के घर से उसके लिए बड़ी अच्छी-अच्छी चीजें लाने गयी हैं, इसलिए हामिद प्रसन्न है। आशा तो बड़ी चीज है, और फिर बच्चों की आशा। उनकी कल्पना तो राई का पर्वत बना लेती है।

6. हल्कू ने आकर स्त्री से कहा—'सहना आया है, लाओ, जो रुपए रखे हैं,' उसे दे दूं, किसी तरह गला तो छूटे। 'तीन ही तो रुपए हैं, दे दोगे तो कम्मल कहां से आवेगा ?' माघ-पूस की रात हार में कैसे कटेगी ? उससे कह दो, फसल पद दे देंगे, अभी नहीं।

7. घमंड तो बड़े-बड़े का नहीं रहा, तुम्हारी क्या हस्ती है, इतिहास में रावण का हाल तो पढ़ा ही होगा। उसके चरित्र से तुमने कौन-सा आदेश लिया ? या यों ही पढ़ गये ? महज इम्तहान पास कर लेना कोई चीज नहीं, असल चीज है बुद्धि का विकास। जो कुछ पढ़ो, उसका अभिप्राय समझो। रावण भूमंडल का स्वामी था। संसार के सभी महीप उसे कर देते थे। बड़े-बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे। आग और पानी के देवता भी उसके दास थे, मगर उसका अंत क्या हुआ, घमंड ने उसका नाम-निशान तक मिटा दिया। आदमी जो कुकर्म चाहे करे; पर अभिमान न करे।

8. हुसैन बड़े विद्वान, सच्चरित्र, शांत-प्रकृति, नम्र, सहिष्णु, ज्ञानी, उदार और धार्मिक पुरुष थे। वह वीर थे, ऐसे वीर कि अरब में कोई उनकी समता का न था किंतु वह राजनीतिक छल-प्रपंच और कुत्सित व्यवहारों से अपरिचित थे। यजीद इन सब बातों में निपुण था। धर्म को वे केवल स्वार्थ का साधन समझते थे। भोग-विलास एवं ऐश्वर्य का उनको चस्का पड़ चुका था।

खण्ड–स

प्रत्येक 20

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द) :

9. 'कर्मभूमि' उपन्यास का प्रतिपाद्य स्पष्ट करते हुए सुखदा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

10. "'रंगभूमि' उपन्यास नौकरशाही तथा पूंजीवाद के साथ जनसंघर्ष का संग्राम है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

11. हिन्दी कहानी विकास-परम्परा में प्रेमचंद का स्थान निर्धारित कीजिए।

12. प्रेमचंद की कहानी-कला की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।